जैसा चाहो वैसा समजना

जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,
मांगने की आदत तो जाती नही है,
तेरे आगे लाज मुझे आती नही है,
जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,

बड़े बड़े पैसे वाले भी तेरे द्वार पे आते है,
मुझे ये मालुम है मैयां तुझसे मांग के जाते है,
मांगने में इज्जत तो जाती नही है,
तेरे आगे लाज मुझे आती नही है,
जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,

तुझसे माँ मैं शर्म करू तो और कहा जाऊ गा,
मैं अपने परिवार का खर्चा और कहा से लाउगा,
ये दुनिया तो बिगड़ी बनती नही है,
तेरे आगे लाज मुझे आती नही है,
जैसा चाहो वैसा समजना बस तुमसे इतना कहना,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5629/title/jaisa-chaaho-vaisa-samajna-bas-tumse-itna-kehana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |